www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 लू से 700 मौतें हो गई, राजनीतिक दलों ने...
3 भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में...
4 हरियाणा 'सुपर 100' के होनहार एवं मेधावी...

वर्ष: 9 | अंक: 222 | दिल्ली, शुक्रवार, 6 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

भूस्खलन से फंसे 63 लोगों को हेलीकॉप्टर से निकाला गया

सिक्किम (एजेन्सी)। उत्तरी सिक्किम के चाटेन में फंसे कुल 63 लोगों को हेलीकॉप्टर की मदद से बृहस्पतिवार को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षित निकाले गये लोगों में अधिकतर पर्यटक थे। इस सप्ताह की शुरुआत में भूस्खलन की चपेट में आने से यह इलाका प्रभावित हुआ था। सेना और स्थानीय प्रशासन ने बचाव अभियान जारी रखा हुआ है, क्योंकि चाटेन में 64 अन्य पर्यटक अब भी मदद का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिन में खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण इलाका होने के कारण बचाव अभियान रोक दिया गया है। मंगन जिले के एक छोटे से शहर लाचेन के पास स्थित चाटेन का इस्तेमाल यात्री गुरुडांगमार झील तक पहुंचने के लिए करते हैं, जो एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। अधिकारियों ने बताया कि चाटेन से 39 लोगों को पाकयोंग हवाई अड्डे तक पहुंचाने के लिए दो एमआई-17 हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि चार अन्य लोगों को चीता हेलीकॉप्टर की मदद से वहां से निकाला गया, जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से सीधा चटेन तक यात्रा करने वाले एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने 20 यात्रियों को हवाई मार्ग से सुरक्षित निकाला।

'नीतीश सरकार न्याय नहीं, सिर्फ सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है'

बिहार (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बिहार में 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की डबल इंजन सरकार राज्य को सुरक्षा, सम्मान और विकास नहीं दे पाई। उन्होंने यह दावा भी किया कि नीतीश सरकार न्याय नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने गया में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने उसके घर पहुंचे एक चिकित्सक की आरोपियों द्वारा कथित तौर पिटाई किए जाने की घटना और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से संबंधित वीडियो को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोजगारी और पलायन, यही नीतीश-भाजपा सरकार की असली पहचान बन चुकी है। उन्होंने दावा किया कि जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपके रहना ही इनका एजेंडा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया, नीतीश सरकार न्याय नहीं, सिर्फ. सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने दावा किया, अब बहुत हुआ।

85% आरक्षण की जिद पर अड़े तेजस्वी यादव, सीएम नीतीश को लिखा पत्र

बिहार (एजेन्सी)। राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, जहां समाज के कमजोर वर्गों के लिए कोटा बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने के लिए नए कानून लाए जा सकें। विपक्ष के नेता यादव ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65% आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार में संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में घोर विफल रहे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को पत्र लिखा है। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बाकी हमने जो करना है वो हम करेंगे। दलित-आदिवासी, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्गों का वोट लेकर RSS-BJP की पालकी ढो रहे अवसरवादी सुविधाभोगी नेताओं को भी बिहार की न्यायप्रिय जनता के साथ अच्छे से समझेंगे।

सनातन की मजबूत नींव पर आकार ले रहा विकसित भारत: योगी आदित्यनाथ

■ पूज्य संतों की दिव्य साधना और आशीर्वाद के कारण ही भारत नए भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(एजेन्सी)।

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज के 87वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लिया। योगी ने इस दौरान अयोध्या के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की मजबूत नींव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प साकार हो रहा है तथा डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव की वापसी हो रही है। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन अत्यंत अभिभूत करने वाला और आनंदमयी है। उन्होंने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे पूज्य महंत नृत्यगोपाल दास जी के जन्मदिवस समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। मैं उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि पूज्य संतों की दिव्य साधना और आशीर्वाद के कारण ही भारत नए भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिना रुके और डिगे विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जुटे हैं।

मुख्यमंत्री ने राम मंदिर आंदोलन और प्राण प्रतिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद गत वर्ष 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई और आज रामदरबार एवं राम मंदिर में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य भी पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण सनातन धर्म की मजबूत नींव का प्रतीक है। उन्होंने काशी, महाकाल, केदारपुरी और सोमनाथ मंदिरों के सौंदर्यीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मंदिरों पर सनातन धर्म की मजबूत नींव टिकी है।

बेटी की तरह पालें वृक्ष को, उज्जवल भविष्य बनाएं: समाज कल्याण मंत्री

विकसित दिल्ली के लिए मिशन लाइफ अपनाना जरूरी: रविन्द्र इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संसद मार्ग स्थित RCS कार्यालय में पौधारोपण किया। रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प एक पेड़ मां के नाम और मिशन लाईफ (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) की दिशा में समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव एवं सहकारिता विभागों के सभी कार्यालयों में पौधारोपण किया जा रहा है।

इससे पहले समाज कल्याण मंत्री ने रोहिणी सेक्टर 23 और सेक्टर 24, प्रहलादपुर स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और सर्वोदय कन्या विद्यालय और पूँठ खुर्द स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय में भी स्थानीय निवासियों के साथ पौधारोपण किया।

रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि 'विकसित दिल्ली-विकसित भारत' लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान पर मिशन लाइफ के तहत हमें पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनानी है। ऊर्जा की बचत, पानी की बचत, सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करना, ई कचरा और अन्य तरह के अपशिष्ट में कमी, पर्यावरण अनुकूल भोजन और स्वस्थ जीवन के लिए योग जैसे कदमों से हम अपने समाज और राष्ट्र को विकसित करने में योगदान दे सकते हैं। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि पौधारोपण पर्याप्त नहीं है, उनका ख्याल बेटी की तरह रखें। सिर्फ वर्तमान ही नहीं, भविष्य की जरूरतों का ख्याल रखते हुए फलदार, छायादार और ज्यादा ऑक्सिजन वाले वृक्षों को लगाएँ। नीम, पीपल, बरगद, आंवला, कदंब, जामुन जैसे वृक्षों को तरजीह दें।

हरियाणा में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सीएम ने की घोषणाएं

प्राकृतिक तथा जैविक मंडी की स्थापना गुरुग्राम में की जाएगी: सीएम नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने और किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती तथा जैविक खेती से उत्पादित गेहूं, धान, दालों आदि उत्पादों के लिए प्राकृतिक तथा जैविक मंडी की स्थापना गुरुग्राम में की जाएगी। साथ ही, प्राकृतिक तथा जैविक खेती से उत्पादित फल, सब्जियों के लिए हिसार में भी प्राकृतिक खेती तथा जैविक मंडी की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा, प्राकृतिक तथा जैविक खेती के उपज के उचित मूल्य निर्धारण के लिए हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण के तहत एक समिति का गठन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित प्राकृतिक खेती सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती से प्राप्त उत्पादों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग के लिए प्रति किसान 20 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि प्राकृतिक और जैविक खेती की उपज की जांच हेतु प्रयोगशालाएं भी स्थापित की जाएंगी। ये प्रयोगशालाएं किसानों की फसल की निःशुल्क जांच करेंगी।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि खंड पूंडरी, जिला कैथल में कृषि विभाग की 53 एकड़ भूमि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को नीलामी के आधार पर पट्टे पर दी जाएगी। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि प्रत्येक पंचायत में पंचायती भूमि में से 10 प्रतिशत भूमि या कम से कम एक एकड़ भूमि प्राकृतिक खेती के लिए आरक्षित की जाएगी। यह भूमि केवल भूमिहीन किसानों को नीलामी के माध्यम से दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकारी और पंचायती जमीन पर जो भी किसान प्राकृतिक खेती करेगा, उन किसानों को भी प्राकृतिक खेती योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में कच्चे माल के भंडारण और संस्करण के लिये चार ड्रम की खरीद के लिए 3 हजार रुपये प्रति किसान दिया जाएगा। एक देसी गाय की खरीद पर 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के लोग वायु, जल व मिट्टी के संरक्षण का संकल्प ले रहे हैं और इन्हें हर प्रकार से प्रदूषण मुक्त करने के उपाय पर विचार कर रहे हैं। इस समय प्राकृतिक खेती इन सभी समस्याओं का समाधान है। प्राकृतिक खेती न केवल हरियाणा की कृषि को नई दिशा देगी, बल्कि पूरे देश के लिए यह प्रेरणा का एक स्रोत पर बनेगी। उन्होंने कहा कि आज जब हम खाद्यानों के मामले में आत्मनिर्भर तो हैं, लेकिन इसके लिए हमें बहुत बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ी है। रासायनिक खादों के उपयोग से भूमि, जल और वायु दूषित होते हैं। इसलिए हमारी आने वाली पीढ़ियां मजबूत, सशक्त हों, इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना होगा।

एससी समुदायों के सशक्तिकरण हेतु जलकुंभी हस्तशिल्प विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। एससी समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में आज सैदपुरा, डेराबस्सी में जलकुंभी हस्तशिल्प विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला एसटीआई सेल के तहत पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा एसडीएसजी फाउंडेशन और स्वच्छता पुकारे फाउंडेशन के सहयोग से तथा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के समर्थन से आयोजित की गई।

इस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में ग्रामीण एससी समुदाय, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को जलकुंभी जैसी अवांछनीय जल वनस्पति से हस्तशिल्प उत्पाद बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को निम्नलिखित तकनीकों में प्रशिक्षित किया गया, इस आयोजन में लोगों को हस्तनिर्मित कागज बनाना, जलकुंभी रेशा निकालना व स्क्रैपिंग, पेस्टिंग, सुखाने एवं आकार देने की प्रक्रिया, टोकरी, चटाई, बैग एवं सजावटी वस्तुएँ तैयार करना आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को कम लागत में उपलब्ध संसाधनों से टिकाऊ और बाजार में बिकाऊ उत्पाद तैयार करने की जानकारी देना था। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षकों ने नवाचार, डिजाइन और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ-साथ उत्पादों को स्थानीय बाजारों से जोड़ने की रणनीति पर भी मार्गदर्शन दिया। पीएससीएसटी के अधिकारियों ने बताया कि यह पहल विज्ञान एवं नवाचार के जरिए ग्रामीण विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने समुदाय को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण भविष्य में भी जारी रहेंगे और स्वरोजगार के स्थायी साधन प्रदान करेंगे।

यह कार्यशाला स्थानीय समुदायों के लिए पर्यावरणीय जागरूकता के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास साबित हुई।

सीएम ने बाढ़ सुरक्षा कार्यों के लिए पुख्ता योजना की सिफारिश की

बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों के लिए लगभग 120 करोड़ रुपए की दी मंजूरी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने पूरे पंजाब में बाढ़ सुरक्षा के लिए मास्टर प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करने और पुख्ता योजनाबंदी की आवश्यकता पर जोर दिया।

चल रहे बाढ़ सुरक्षा कार्यों की प्रगति की निगरानी के लिए अपनी सरकारी आवास पर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि मास्टर प्लान न केवल फंडों के तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करेगा, बल्कि बाढ़ पीड़ितों को फसलों और संपत्ति के नुकसान के लिए मुआवजा देने पर खर्च होने वाले करोड़ों रुपए की बचत में भी मदद करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि नालों और नदियों के प्रबंधन की योजना सिंचाई विभाग के इंजीनियरों के साथ सीधे समन्वय करके बनाई जानी चाहिए। इससे बाढ़ सुरक्षा बुनियादी ढांचे की नियमित सफाई और मजबूती सुनिश्चित की जा सकेगी। भगवंत मान ने कहा कि ये प्रबंध मानसून के दौरान बाढ़ के कारण होने वाली तबाही से राज्यवासियों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्य मंत्री ने अधिकारियों को मास्टर प्लान के आधार पर व्यापक खाका तैयार करने के निर्देश दिए ताकि बाढ़ सुरक्षा कार्यों को बारिश के मौसम से ठीक पहले पारंपरिक दृष्टिकोण की बजाय योजनाबद्ध तरीके से लागू किया जा सके। उन्होंने इन प्रयासों को नियमित आधार पर जारी रखने के लिए वार्षिक बजट में विशेष आवंटन की महत्ता पर भी जोर दिया। इसके अलावा, भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को सिंचाई विभाग के ड्रेनेज और नहरी विंग में प्राथमिकता वाले कार्यों की पहचान कर मुख्य इंजीनियरों के साथ सलाह-मशविरा करके कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्य मंत्री ने पंजाब के सभी 22 जिलों में बाढ़ सुरक्षा कार्यों और नालों की सफाई के लिए लगभग 120 करोड़ रुपए को मंजूरी दी। उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों को निर्देश दिए कि ये प्रोजेक्ट मानसून की शुरूआत से पहले पूरे किए जाएं और इन्हें पूरा करने की समय-सीमा 30 जून तक निर्धारित की जाए। भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट किया कि सिंचाई विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी इन कार्यों को पूरा करने में लापरवाही के लिए व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह होगा।

मुख्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि इन फंडों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए और प्रत्येक जिले में बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे पिछले साल बाढ़ का सामना करने वाले नए प्रभावित क्षेत्रों, खासकर सड़क निर्माण के कारण आई रुकावटों का अच्छी तरह निरीक्षण करें और समस्याओं का समाधान करें। भगवंत सिंह मान ने कहा कि मानसून के दौरान बाढ़ को रोकना और राज्य के किसी भी हिस्से को नुकसान न होने देना सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और बरिंदर गोयल, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

उच्चतम न्यायालय ने मकान मालिक-किरायेदार विवादों के शीघ्र निपटारे पर दिया जोर

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बंबई उच्च न्यायालय से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए संपत्ति मालिकों-किरायेदारों के बीच विवाद में फैसला होने में देरी पर चिंता जताई है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से वहां लंबित ऐसे मामलों की समीक्षा करने का अनुरोध किया है। उच्चतम न्यायालय प्रति वर्ग फुट दर पर विवाद से संबंधित उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध अपीलों पर सुनवाई कर रहा। यह मामला हिंदुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड द्वारा मुंबई स्थित हरचंद्राय हाउस को किराये पर लेने से संबंधित है। पीठ ने कहा कि कुछ मामलों में वादियों को अपने विवादों के निपटारे के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। पीठ ने कहा, जब मकान मालिक-किरायेदार विवाद की बात आती है, तो इसमें एक पक्ष के संपत्ति के लाभ से वंचित होने और दूसरे पक्ष के ऐसी संपत्ति के स्वामित्व से प्राप्त होने वाले मौद्रिक लाभ से वंचित होने का पहलू भी शामिल होता है। अदालतों का यह कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके कारण किसी भी पक्ष को परेशानी न हो।

गंगा दशहरे पर की यमुना मैया की महाआरती, कुंडा घाट पर उमड़ी श्रद्धालु

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। गंगा दशहरे के अवसर पर यमुना मैया के कुंडा घाट पर वीरवार की सुबह वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो गया। मां यमुना सेवा समिति के संरक्षक संत प्रेमपाल सागर की प्रेरणा से श्रद्धालुओं ने गंगा मैया की तर्ज पर मां यमुना की महाआरती की।

सुबह सुर्योदय के समय श्रद्धालु घाट पर पहुंचे और श्रद्धा की डुबकी लगाकर भगवान सूर्य को अर्घ दिया। तत्पश्चात 101 ज्योत प्रज्वलित कर महाआरती की। हर घर वाल्मीकि रामायाण अभियान के संयोजक एवं हरियाणा तालाब व अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य तेजिंद्र सिंह तेजी व कृष्णा अरोग्य धाम की निदेशक रंजना सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि पूजा-अर्चना कर महाआरती में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने सिरोपा भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया। रंजना सिंह ने कहा कि यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए समिति एक जागरूकता अभियान चलाए हुए है। पिछले 2 वर्षों से यमुना जी के प्रकट दिवस पर और गंगा दशहरे पर यमुना घाट पर महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों को जल प्रदूषण रोकने और यमुना की पवित्रता को कायम रखने की शपथ दिलाई। तेजिंद्र सिंह तेजी ने कहा कि कालिंद पर्वत से उद्गम करते हुए यमुना की पवित्र जलधारा यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली आगे उत्तरप्रदेश से होते हुए प्रयागराज में समाहित होती है। समिति की ओर से जो जल प्रदूषण रोकने के लिए चलाया गया जनजागरूकता अभियान प्रशंसनीय है।

समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्मबीर ने कहा कि यह आयोजन वर्ष में दो अवसरों पर नियमित रूप से किया जा रहा है। प्राचीन काल से मां यमुना व गंगा के प्रति देशवासियों की गहरी आस्था रही है। विदेशों में नदियों की पवित्रता पर जो तकनीक विकसित हैं भारत में भी इस दिशा में प्रभावी कदम उठे हैं।

केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल के अनुसंधान वैज्ञानिक नीदरलैंड के विशेषज्ञों के साथ मिलकर भारत में नदी जल प्रदूषण खत्म करने पर एक प्रोजेक्ट पर अनुसंधान कर रहे हैं। सभी नागरिकों का दायित्व है कि नदियों की पवित्रता को बनाए रखें। इस मौके पर संतोष राणा, निशा चौधरी, मीनाक्षी, मनीषा, सुलोचना, मुन्नी देवी, अनीता, सुधा, पारूल, कृष्णा, गुलाब कौर, विक्की सिंह, रजनीश कुंजपुरा, जिम्नास्टिक कोच विजय कश्यप, इंजीनियर रजनीश सुभरी, भारतीय सद्भावना संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजपाल व अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

सम्पादकीय

आईपीएल-2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के नाम

आखिरकार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की टीम ने आईपीएल-2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। आईपीएल के 18वें सीजन में उसे एक नया चैम्पियन मिल गया है। 17 साल से यह टीम इस खिताब के लिए तरस रही थी। इस टीम के पास विराट कोहली जैसा खिलाड़ी होने के बावजूद आईपीएल का चैम्पियन बनना नसीब नहीं हुआ। एक से एक धाकड़ खिलाड़ी बेंगलुरू की टीम में रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के एबी डीविलिर्यस का नाम इसमें लिया जा सकता है। पर, मंगलवार 3 जून को किस्मत चमक गई। सभी ने विराट कोहली को मैदान पर रोते देखा। उनका भावनओं में बहना स्वाभाविक था। एक बड़े खिलाड़ी का सपना होता है कि वह अपने करियर में सभी प्रमुख टूर्नामेंट में विजय हासिल करे। विराट की टीम आईपीएल के खिताब से अभी तक वंचित थी। आपको बता दें विराट ने टी-20 और टेस्ट मैचों से संन्यास ले लिया है। उनका करियर ढलान पर है, ऐसे में यह खिताबी जीत उन्हें कितना सुकून देगी, इसका अनुमान लगाना कठिन नहीं है। यही वजह है कि मैच के बाद सारे खिलाड़ी विराट कोहली को बधाई देने के लिए दौड़ पड़े। डीविलिर्यस और कभी बेंगलुरू टीम का हिस्सा रहे क्रिस गेल ने मौजूद रहकर इस पल को और खास बना दिया। हांलाकि, यह जीत केवल 6 रनों से हुई। इसके बावजूद रिकॉर्ड बुक में बेंगलुरू के नाम पहली जीत दर्ज हो गई। पंजाब किंग्स की टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया तो इसमें कप्तान श्रेयस अय्यर का बड़ा योगदान रहा। एलीमिनेटर-2 में उन्होंने मुंबई इंडियंस को हरा कर पंजाब को फाइनल में पहुंचा दिया। श्रेयस की 87 रनों की नाबाद पारी ने 5 बार की चैम्पियन मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड जाने वाली भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर चयनकर्ताओं की आलोचना भी हो रही है। इस बार का आईपीएल कुछ युवाओं को सामने लाया है। ये भारत का भविष्य हैं। इसमें सबसे पहला नाम बिहार के वैभव सूर्यवंशी का है जिसने 14 साल की उम्र में झंडा गाड़ दिया है। राजस्थान रायल्स की टीम की ओर से उसने पारी की शुरूआत की। एक शतक और एक अर्ध शतक के साथ उसका प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा। वैभव ने अपनी साहसिक बल्लेबाजी से बहुत प्रभावित किया है। गुजरात टीम के साई सुदर्शन ने कुल 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीता है। आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उसका चयन इंग्लैंड जाने वाली टीम में भी हो गया है। पारी का आगाज करते हुए सुदर्शन ने कई अच्छी पारियां खेलीं। पंजाब किंग्स टीम के प्रियांश आर्य ने भी सबका ध्यान खींचा है। उसने भी अपनी टीम के लिए पारी की शुरूआत की। पंजाब के ही शशांक सिंह ने फिनिशर की भूमिका निभा कर कई उपयोगी पारियां खेलीं। श्रेयस अय्यर ने अपनी कप्तानी और शानदार बल्लेबाजी से सबका दिल जीत लिया है। अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने का श्रेय उसे जाता है। हालांकि, दुर्भाग्य से श्रेयस को इंग्लैंड दौरे के लिए नहीं चुना गया। चेन्नई टीम के 17 वर्षीय ओपनर आयुष म्हात्रे ने कप्तान धोनी को प्रभावित किया। इन युवाओं ने भविष्य के लिए उम्मीद जगाई है। भारतीय टीम की ओर से कुछ मैच खेल चुके प्रसिद्ध कृष्णा ने आईपीएल में सर्वाधिक 25 विकेट लेकर पर्पल कैप जीता है। गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए कृष्णा ने अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। इसी कारण उसका चयन इंग्लैंड दौरे के लिए हो गया है। मोहम्मद शमी की गैर हाजिरी में इंग्लैंड में अच्छे प्रदर्शन का दबाव कृष्णा पर रहेगा। वह भारतीय टीम में स्थायी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरा उनके लिए सुनहरा मौका है। जसप्रीत बुमराह ने मुंबई इंडियंस को प्ले ऑफ में अवश्य पहुंचाया लेकिन निर्णायक मैच में उनकी गेंदबाजी प्रभावहीन रही। पंजाब के खिलाफ 4 ओवर में बुमराह ने 40 रन दे दिए और कोई विकेट भी नहीं चटका सके। दरअसल, बुमराह फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं। शुरू के कई मैच में वह उतरे भी नहीं। फिटनेस की संदिग्ध दशा के नाते ही उन्हें इंग्लैंड दौरे पर कप्तान नहीं बनाया गया है। आईपीएल-2025 में कुछ खिलाड़ियों ने बहुत निराश किया। इनमें सबसे आगे लखनऊ टीम के कप्तान ऋषभ पंत का नाम है। फ्रैंचाइजी कंपनी ने उन्हें सबसे महंगे दाम 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने अपने आखिरी मैच में बेंगलुरू के विरुद्ध शतक जरूर लगाया लेकिन अपनी टीम को प्ले ऑफ तक नहीं पहुंचा सके। इस आईपीएल में पंत बिल्कुल नहीं चले। उनकी कप्तानी भी बेदम रही। इसी तरह कोलकाता टीम के वेंकटेश को काफी मोटी रकम 23.75 करोड़ मिली लेकिन रन बनाने में नाकाम रहे। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन 18 करोड़ में खरीदे गए थे पर, वह चोट से जूझते रहे। जिन मैचों में खेले उसमें रन नहीं बना पाए। चेन्नई टीम के कप्तान ऋतुराज भी 18 करोड़ में खरीदे गए थे लेकिन असर नहीं दिखा पाए। टूर्नामेंट के बीच में ही वह चोटिल होकर बाहर हो गए। कोलकाता टीम के रिंकू सिंह को 13 करोड़ मिले मगर, वह अपना जलवा नहीं दिखा सके।

जयंती

एनी मसकैरिनी

जन्म-6 जून, 1902; मृत्यु-19 जुलाई, 1963) संविधान सभा की सदस्य थीं। त्रावणकोर राज्य में चल रहे स्वतंत्रता संग्राम में वह शामिल थीं। साल 1951 में वह पहली बार लोकसभा के लिए चुनी गयी थीं। भारत के संविधान को मूल रूप देने वाली समिति में 15 महिलाएं भी शामिल थीं। इन्होंने संविधान के साथ भारतीय समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनी मसकैरिनी इन्हीं में से एक थीं।

पुण्यतिथि

मास्ति वेंकटेश अय्यंगार

जन्म: 6 जून, 1891, कोलार ज़िला, कर्नाटक; निधन: 6 जून, 1986) 'कन्नड़ कहानी के प्रवर्तक' और 'कन्नड़ की संपत्ति' के रूप में ख्याति प्राप्त कवि, कहानीकार, उपन्यासकार, नाटककार, अनुवादक और आलोचक थे। इनके लगभग 15 कहानी संग्रह प्रकाशित हुए थे। मास्ति की शैली को कम से कम शब्दों में एक संपूर्ण अनुभव संप्रेषित करने की विलक्षण क्षमता प्राप्त है। 'नवरात्रि' एवं 'श्रीरामपट्टाभिषेक' उनके दो महत्वपूर्ण काव्य हैं।

कल मिलेंगे

चिंटू-तेरा इतिहास का पेपर कैसा हुआ?
मिंटू-बहुत बुरा.. सालों ने मेरे जन्म से भी पहले के प्रश्न पूछ रखे थे.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

लू से 700 मौतें हो गई, राजनीतिक दलों ने उफ तक नहीं की

-योगेन्द्र योगी

भारत के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, फरवरी 2025 भारत में बीते 125 वर्षों में सबसे गर्म फरवरी का महीना रहा है। टीम ने पाया कि 2001 से 2019 के बीच भारत में हीटस्ट्रोक से 19,693 मौतें और अत्यधिक ठंड से 15,197 मौतें दर्ज की गईं। हालांकि, यह संख्या असल आंकड़ों से कम हो सकती है क्योंकि अत्यधिक तापमान के संपर्क में आने से होने वाली मौतों की रिपोर्टिंग पर्याप्त रूप से नहीं होती

देश में आम लोगों की जिन्दगी कोई मोल नहीं है। कम से कम सरकारों और राजनीतिक दलों की नजर में तो बिल्कुल नजर नहीं आता। मुद्दा यदि वोट बैंक से जुड़ा हुआ हो, तभी राजनीतिक दल कुछ गंभीरता बेशक दिखा लें किन्तु लोगों के जीवन-मरण जैसे मुद्दों से लगता यही है कि उनका कोई सरोकार नहीं रह गया है। यदि ऐसा नहीं होता तो अदालतों को मौसम की मार से होने वाली मौतें रोकने के लिए सरकारों को दिशा-निर्देश नहीं देने पड़ते। आश्चर्य की बात यह है कि प्रतिकूल मौसम से आम लोगों को बचाने की जिम्मेदारी केंद्र और राज्यों की सरकारों की है, किन्तु यह काम भी अब अदालतों को करना पड़ रहा है। इससे सवाल खड़ा होता है कि आखिर सरकारों की जरूरत कितनी सीमित रह गई है।

हीटवेव से 700 से ज्यादा मौतों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने पूछा है कि इतने बड़े मौसमी संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर क्या तैयारी की जा रही है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गृह मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह याचिका पर्यावरण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ ने दाखिल की। उन्होंने कोर्ट से गुजारिश की है कि सरकार को गर्मी की चेतावनी देने वाली प्रणाली, हीटवेव की पहले से जानकारी देने की व्यवस्था, और 24 घंटे काम करने वाली राहत हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं लागू करने के निर्देश दिए जाएं। याचिका में यह भी बताया गया है कि 2019 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हीटवेव से निपटने के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अब तक उस पर काम ही नहीं किया। याचिका में यह भी जिक्र है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 35 के अनुसार केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस तरह की आपदा से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम करे। इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने अधिकारियों के रवैये पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि पिछले साल दिए गए अदालत के निर्देशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह कानून के शासन पर सवाल उठाता है। अधिकारी स्वयं को कानून से ऊपर मान रहे हैं, लेकिन कोर्ट आंख बंद करके नहीं बैठ सकता। इंसानों से जानवरों जैसा बर्ताव नहीं हो सकता और न जान बचाने के लिए धन की कमी का बहाना चल सकता। कोर्ट ने मुख्य सचिव से अदालती आदेशों की पालना के लिए समन्वय समिति बनाने और लू से बचाव के लिए कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया, वहीं केन्द्रीय गृह मंत्रालय, मुख्य सचिव व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा केन्द्र व राज्य सरकार के 10 अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

मई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने देश के उत्तरी, मध्य और पश्चिमी भागों में गर्मियों के दौरान पड़ने वाली लू के मद्देनजर 11 राज्यों से कहा है कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। वर्ष 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण 3,798 लोगों की मौत के बारे में एनसीआरबी के आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए आयोग ने एकीकृत और समावेशी उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। आयोग ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और राजस्थान के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में आश्रयों की व्यवस्था, राहत सामग्री की आपूर्ति, कार्य घंटों में संशोधन और गर्मी से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए मानक प्रक्रियाओं की उपलब्धता की मांग की है। भारत में वर्ष 2001 से 2019 के बीच हीटवेव यानी लू से करीब 20,000 लोगों की मौत हुई है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ कि पुरुषों में लू से होने वाली मौतों की आशंका ज्यादा पाई गई। एक और हालिया अध्ययन में यह बताया गया है कि हीटवेव से होने वाली मौतें जातीय आधार पर भी बंटी हुई हैं। भारत में हाशिए पर मौजूद समुदायों से ताल्लुक रखने वाले लोगों की मौतें, अन्य समुदायों की तुलना में, लू से कहीं ज्यादा हुईं। अध्ययन करने वाले शोधकताओं का कहना है कि यह एक तरह की 'थर्मल इनजस्टिस' (गर्मी से जुड़ा अन्याय) की स्थिति है। संयुक्त राष्ट्र के इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की 2021 की एक रिपोर्ट जैसी कई रिपोर्टों ने चेतावनी दी है कि भारत समेत एशिया के कई हिस्सों में आने वाले वर्षों में और भी एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स, जैसे कि हीटवेव, देखने को मिलेंगी। हर साल गर्मी के रिकॉर्ड टूटते जा रहे हैं।

भारत के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, फरवरी 2025 भारत में बीते 125 वर्षों में सबसे गर्म फरवरी का महीना रहा है। टीम ने पाया कि 2001 से 2019 के बीच भारत में हीटस्ट्रोक से 19,693 मौतें और अत्यधिक ठंड से 15,197 मौतें दर्ज की गईं। हालांकि, यह संख्या असल आंकड़ों से कम हो सकती है क्योंकि अत्यधिक तापमान के संपर्क में आने से होने वाली मौतों की रिपोर्टिंग पर्याप्त रूप से नहीं होती। यह बात 29 अप्रैल को प्रकाशित एक अध्ययन में कही गई है, जो वैज्ञानिक पत्रिका 'टेम्परेचर' में प्रकाशित हुआ। अध्ययन में यह भी पाया गया कि हीटस्ट्रोक से मरने वालों में पुरुषों की संख्या अधिक थी; इस अवधि में महिलाओं की तुलना में पुरुषों की मौतें तीन से पांच गुना ज्यादा थीं। इतना ही नहीं लू जैसी आपदा के अलावा बाढ़, अतिवृष्टि और बिजली गिरने जैसी आपदाओं में हर साल हजारों लोग काल कलवित हो जाते हैं। ऐसे मुद्दे राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं हैं। कोई भी राजनीतिक दल घोषणा करना तो दूर बल्कि यह दावा तक नहीं करता कि किसी भी व्यक्ति की मौत ऐसे प्राकृतिक कारणों से नहीं होगी। इससे साफ जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता में ऐसी मौतों की रोकथाम के गंभीर प्रयास करना या इसे चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करना नहीं है। कारण स्पष्ट है इससे दलों के वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। ऐसे मुद्दों के लिए सत्तारुढ़ दलों के नेताओं से अधिक नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। इनकी जवाबदेयी के लिए जब तक कानून के तहत दंड का प्रावधान नहीं होगा, तब हर साल प्राकृतिक आपदाओं लोगों की मौत होती रहेंगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

-ललित गर्ग

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेजबानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं।

कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

ट्रंप के गिड़गिड़ाने पर माने जिनपिंग, टैरिफ पर तकरार के बीच हुई बात

(एजेन्सी)।

टैरिफ वार्ता के ठप होने से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत हुई है। इस बातचीत की रिपोर्ट चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने दी। खबर लिखे जाने तक व्हाइट हाउस ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। यह बातचीत बढ़ते तनाव के बीच हुई है। ट्रंप ने बीजिंग पर पिछले महीने जिनेवा में हुए टैरिफ रोलबैक समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। जिसपर पलटवार करते हुए बीजिंग ने दावा किया था कि वाशिंगटन ने झूठे आरोप लगाए हैं और चीन पर आम सहमति का उल्लंघन करने का अनुचित आरोप लगाया है।

व्यापार तनाव में अस्थायी कमी के साथ, चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ को 90 दिनों के लिए 125% से घटाकर 10% कर दिया, जबकि अमेरिका ने चीनी आयात पर अपने टैरिफ को 145% से घटाकर 30% करने का प्रस्ताव रखा। फोन कॉल ट्रम्प द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी निराशा व्यक्त करने के ठीक एक दिन बाद आया है। ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा था कि मैं चीन के राष्ट्रपति शी को पसंद करता हूं, हमेशा से करता आया हूं और हमेशा करता रहूंगा, लेकिन वह बहुत सख्त हैं, और उनके साथ सौदा करना बहुत मुश्किल है! ट्रंप के इस बयान के बाद व्यापार वार्ता की स्थिति को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है, जो कई सप्ताह से प्रभावी रूप से रुकी हुई है।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में 90 दिनों का नाजुक संघर्ष विराम एक महीने से भी कम समय में टूट गया, जब दोनों पक्षों ने जिनेवा में एक दूसरे पर टैरिफ कम करने पर सहमति जताई।

ट्रंप ने चीन पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। 30 मई को ट्रुथ सोशल पोस्ट में ट्रंप ने लिखा बुरी खबर यह है कि चीन ने, शायद कुछ लोगों के लिए आश्चर्य की बात नहीं है, हमारे साथ अपने समझौते का पूरी तरह से उल्लंघन किया है। मिस्टर नाइस गाइ होने के लिए इतना ही काफी है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बातचीत के लिए छटपटा रहा पाकिस्तान

(एजेन्सी)।

पाकिस्तान। पाकिस्तान एक बार फिर भारत के साथ बातचीत को फिर से शुरू करने की उम्मीद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर रुख कर रहा है।

आतंकवाद पर अपने ट्रैक रिकॉर्ड को लेकर बढ़ती वैश्विक जांच के बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वाशिंगटन से दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने का आह्वान किया है, एक ऐसा विचार जिसका भारत दृढ़ता से विरोध करता रहा है। इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शरीफ ने भारत के साथ तनाव कम करने में ट्रंप के कथित प्रयासों की प्रशंसा की और अमेरिका से परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

शरीफ की टिप्पणी पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा पहले की गई टिप्पणियों की प्रतिध्वनि थी, जिन्होंने संघर्ष विराम समझौते को लाने में मदद करने का श्रेय ट्रंप को दिया था। भुट्टो ने कहा कि दस अलग-अलग मौकों पर राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को सुगम बनाने का श्रेय लिया है, और यह सही भी है। यदि अमेरिका इस संघर्ष विराम को बनाए रखने में मदद करने के लिए तैयार है, तो यह उम्मीद करना उचित ही है कि व्यापक वार्ता को सुगम बनाने में उसकी भागीदारी भी उतनी ही उपयोगी होगी।

आलिया भट्ट ने बेस्ट फ्रेंड की शादी से शेयर कीं अनदेखी तस्वीरें

(एजेन्सी)।

कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में लोगों का ध्यान खींचने के बाद, आलिया भट्ट अपनी सबसे अच्छी दोस्त तान्या साहा गुप्ता की शादी में शामिल होने के लिए स्पेन रवाना हुईं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर समारोह की कुछ झलकियाँ शेयर कीं। एक तस्वीर में, वह बगीचे में तान्या को गले लगाती हुई दिखाई दे रही हैं, उन्होंने क्रीम कढ़ाई वाली जैकेट और फ्लेयर्ड पैंट पहनी हुई है, जबकि तान्या ने सॉफ्ट पिंक लहंगा पहना हुआ है। एक अन्य तस्वीर में उन्हें सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए दिखाया गया है, तान्या ने लंबे घूंघट के साथ एक सुंदर सफेद गाउन पहना हुआ है, और आलिया ने फ्लोरल इयररिंग्स के साथ एक काले रंग का सीक्विन गाउन पहना हुआ है। बुधवार को, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक कैरोसेल पोस्ट शेयर किया, जिसमें शादी में अपनी तस्वीरें, विभिन्न प्री-वेडिंग और शादी के उत्सवों की तस्वीरें शामिल हैं। इसमें दुल्हन के साथ उनकी एक तस्वीर और शादी से उनके लुक शामिल थे। आलिया एक आधुनिक ब्लैक स्ट्रैपलेस ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने एक अन्य शादी समारोह की झलकियाँ भी पोस्ट कीं, जहाँ उन्होंने एक आकर्षक सफेद अलंकृत ब्रालेट चुना, जिसे मैचिंग ब्लेजर और क्रीम स्कर्ट के साथ जोड़ा गया। एक सुंदर हार, धूप के चश्मे और एक स्टाइलिश हैंडबैग के साथ,

आलिया एक अन्य फोटो में, आलिया नवविवाहित जोड़े और अपने करीबी दोस्तों के साथ पोज देते हुए मुस्कुरा रही हैं। आलिया ने सरसों के पीले रंग के ब्लाउज के साथ रंगीन कलीदार लहंगा पहना था। उन्होंने मजेदार, बोहो-चिक फील के लिए बैंगनी रंग का बंदाना और गहरे रंग का धूप का चश्मा पहना था। दोनों स्कूल के दिनों से दोस्त हैं और आलिया ने दुल्हन की सहेली के रूप में सभी खास पलों में मौजूद रहना सुनिश्चित किया। काम के मोर्चे पर, आलिया भट्ट शिव रवैल द्वारा निर्देशित जासूसी-एक्शन फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह वाईआरएफ की जासूसी दुनिया का हिस्सा है और 25 दिसंबर को रिलीज होगी। उन्हें 'ब्रह्मास्त्र 2' में भी देखा जा सकता है, जो वर्तमान में योजना के चरण में है।

रेलवे के जरिये 2024-25 में 5.18 लाख वाहन भेजे: मारुति सुजुकी

(एजेन्सी)।

मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेलवे के जरिये सर्वाधिक 5.18 लाख वाहन भेजे। कार बाजार की अग्रणी कंपनी ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 से अभी तक भारतीय रेलवे के जरिये करीब 24 लाख वाहन भेजे गए हैं। वाहन विनिमार्ता ने कहा कि वर्तमान में भारतीय रेलवे के जरिये 20 से अधिक केंद्रों में वाहन भेजे जाते हैं। इससे समूचे भारत में 600 से अधिक शहरों में सेवा दी जाती हैं। कंपनी द्वारा निर्यात के लिए उपयोग किए जाने वाले मुंद्रा और पीपावाव के बंदरगाह स्थानों को भी रेलवे के माध्यम से सेवा दी जाती है। एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा, कार्बन उत्सर्जन को कम करना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है...उत्पादों तथा परिचालन दोनों स्तर पर।

उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी 2013 में ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। ताकेउची ने कहा, तब से, हमने रेलवे के जरिये करीब 24 लाख वाहन भेजे हैं। वित्त वर्ष 2030-31 तक, हम रेलवे के माध्यम से वाहन प्रेषण की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की योजना बना रहे हैं। मारुति सुजुकी वर्तमान में 40 से अधिक फ्लेक्सी डेक रेक संचालित करती है, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता प्रत्येक यात्रा पर करीब 300 वाहन ले जाने की है।

जीत के उत्सव पर बरसे भारत के दिग्गज खिलाड़ी

बेंगलुरु (एजेन्सी)। महान ऑलराउंडर कपिल देव ने गुरुवार को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आइपीएल जीत के जश्न के दौरान 11 प्रशंसकों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि जिंदगी जश्न से ज्यादा महत्वपूर्ण है और सभी को भविष्य में उचित सावधानी बरतने की सलाह दी। बेंगलुरू में बुधवार को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के आस-पास के इलाकों में करीब ढाई लाख लोग उमड़ पड़े लेकिन इसके बाद मची अफरातफरी में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। कपिल ने कहा कि मुझे इस बात का बहुत बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि हमें एक-दूसरे से सीखना चाहिए। अगली बार जब ऐसा कुछ (विजय परेड) होगा तो लोगों को अधिक सचेत रहना चाहिए। लोग गलती करते हैं। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान ने टीमों और अन्य हितधारकों से इस तरह के बड़े कार्यक्रमों के दौरान विवेक बनाए रखने का आग्रह किया। कपिल ने कहा कि गलतियां इतनी बड़ी नहीं होनी चाहिए कि आप मौज-मस्ती कर रहे हों और जान गंवा बैठें। भविष्य में अगर कोई टीम जीतती है तो उसे धैर्य रखना चाहिए। जश्न से ज्यादा जान की अहमियत है। इसे इस तरह से समझा जा सकता है। वहीं इसी मामले में 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य मदन लाल ने आरसीबी और कर्नाटक सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने बिना उचित प्रबंधन के आईपीएल टीम की विजय जश्न आयोजित करने के लिए दोनों को जिम्मेदार ठहराया है, जिसकी वजह से भगदड़ मच गई और 11 लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। जब प्रशंसक 18 साल बाद ट्रॉफी जीतने वाली टीम को देखने के लिए स्टेडियम में उमड़े तो भीड़ पर काबू पाना पुलिस और प्रशासन के बस से बाहर हो गया।

भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में विस्तृत संगठनात्मक बैठक आयोजित

जिला स्तर पर 10-25 जून तक संगठन देशव्यापी कार्यक्रम करेगा-यूके चौधरी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भाजपा उत्तर पूर्वी जिला संघठनात्मक बैठक जिला अध्यक्ष डॉ यूके चौधरी की अध्यक्षता में हुयी। बैठक में प्रदेश मंत्री किशन शर्मा की उपस्थिति रही। बैठक में आगामी कार्यक्रमों के विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई साथ ही नवनियुक्त स्टैंडिंग कमेटी मेंबर सत्या शर्मा एवं सिविल लाइन जोन चेयरमैन गुलाब सिंह राठौड़ का स्वागत भी किया गया।

संगठन द्वारा 2 मिनट मौन रखकर जो साथी हमसे छूट गए उनके देवलोकगमन अपनी सामवेदना भी प्रकट की गयी। डॉ यूके चौधरी ने बताया कि जिला स्तर पर 10 जून से लेकर 25 जून तक संगठन देशव्यापी कार्यक्रम करेगा जिसमें उत्तर पूर्वी जिला अपने जिले में एक अहम भूमिका निभाएगा। सभी कार्यक्रमों के निमित संयोजक और सह संयोजको की घोषणा कर दी गयी है। प्रदेश मंत्री किशन शर्मा ने बताया 10 और 11 जून को जिला स्तर पर प्रेस

वार्ता होनी है। प्रदर्शनी लगानी है एवं प्रोफेशनल मीट का आयोजन होना है। 12 से 14 जून के बीच में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन होगा विश्व योग दिवस 17 से 21 जून तक मनाया जाएगा। ग्राम वार्ड शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर पर चौपाल एवं पंचायत केंद्रों पर चौपाल का आयोजन किया जायेगा। जिसमें भाजपा सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। इस दौरान विभिन्न स्तरों पर नेताओं का प्रवास भी रहेगा। 5 जून से वृक्षारोपण करना है। एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाना है। 23 जून डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम बूथ स्तर तक मनाया जाएगा।

25 जून को जिला स्तर पर सेमिनार का आयोजन होगा जिसमें आपातकाल के डंस को जन-जन में अवगत कराना प्राथमिकता रहेगी। आपातकाल को संविधान की हत्या के रूप मे देखा जाता है।

इस बैठक में उपाध्यक्ष सचिन मावी, राहुल गौड, रंजन त्यागी, योगेंद्र राजोरा, विनोद जायस, मीडिया प्रभारी दीपक चौहान, नेहा उप्रेती, रजनी सोढ़ी, सौरभ चातक, समस्त निगम पार्षद, नवनियुक्त मण्डल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष व अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिमरिया में गंगा महाआरती का हुआ आयोजन

एसबी ब्यूरो

बीहट/बेगूसराय। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विगत साल की भांति इस साल भी श्री राम जानकी घाट पर पुज्य स्वामी चिदात्मन जी के सानिध्य में विधिवत गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा की मां गंगा जो सब प्रकार के पाप-ताप को दूर करने वाली जो ब्रह्मा जी के कमंडलों में शोभा पानी वाली शंकर भगवान के जाता झूठ में विराजने वाली धारा धाम पर अमृत की धारा कही गई है, विश्व में भारत का ही यह सौभाग्य है।

जहां गोमुख से गंगासागर तक हारने वाली मां गंगा चल-चल कल-कल प्रवाहित होती हुई प्रवाह युक्त होने की प्रेरणा देती है। वह धारा धाम पर उतारने के बाद सबसे पहले हरिद्वार प्रयाग काशी हरिहर क्षेत्र के साथ-साथ आदि कुंभ स्थल सिमरिया धाम शुल्क सुल्तानगंज से होते हुए गंगा सागर तक अपना विशिष्ट स्थान रखती है। जहां वैशाख में हरिद्वार मग में प्रज्ञा और कार्तिक में सिमरिया धाम में कल्पवास अर्ध कुंभ और महाकुंभ के द्वारा केवल भारत में जन्म लेने की सार्थकता नहीं करती बल्कि धर्म अर्थ का मोक्ष की अधिकारी होते हैं अध्यात्म देश भारत भौतिक चक्र चंद में रहने वाले महादेश

और देश के लिए वास्तविक सुख शांति में प्रेरणा स्त्रोत है जो वर्ष में केवल पुनीत जेठ महीने में गंगा दशहरा को मात्र स्नान बना लेते हैं वह 10 प्रकार के पापों से मुक्त होते हैं गायक बातचीत मानसिक संसार की ज्ञात ज्ञात शक्ल 200 से मुक्त हो जाते हैं उनकी सारी मनोरथ सिद्ध हो जाती है सिमरिया धाम में प्रतिवर्ष कर मंगल परिवार के सौजन्य से आदि कुंभस्थली अनियन शास्त्रोक्त कार्यक्रम के साथ-साथ प्रतिवर्ष गंगा दशहरा के पावन अवसर पर रमजान की घाट पर मां गंगा की बेहमत पूजा करती आई है जिसमें वर्तमान सरकार के साथ-साथ जिलाधिकारी महोदय के लिए यहां की समुचित विकास पर पूर्व ज्ञान है और आने वाले पुनीत कार्तिक माह के पहले यहां की समुचित विकास की संभावना है श्रम मंगल परिवार के विद्यापीठ में गंगा प्रवाह प्रदूषण मुक्ति मंच वेद विज्ञान अनुसंधान संस्थान मिथिला मैथिली विकास सेवा समिति सर्व मंगल गंगा महिला गोष्ठी के साथ-साथ राष्ट्र हित में जनहित में समझित में संस्कृत हित में संलग्न पुण्य आत्माओं बिंदुओं की सहभागिता भी इस प्रकार रही। जिसमें मुख्य यजमान सर्वमंगला आध्यात्मिक योग विद्यापीठ के व्यवस्थापक रविन्द्र ब्रह्मचारी, सचिव दिनेश प्रसाद सिंह, मीडिया प्रभारी नीलमणि, अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी, विद्यापीठ के महासचिव राजकिशोर प्रसाद सिंह शक्ति समिति की उषा रानी, अमरेंद्र कुमार कौशलेंद्र कुमार पप्पू त्यागी संजयनंद, तरुण सिंह बबलू सिंह, मुख्य आचार्य पंडित नारायण झा, पंडित रमेश झा, सदानंद झा, पंडित राम झा, श्याम झा लक्ष्मण झा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अयोध्या मिथिला गंगा घाट पर बनारस के पंडितों ने किया गंगा महाआरती

एसबी ब्यूरो

तेघड़ा(बेगूसराय)। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर गुरुवार को अयोध्या मिथिला गंगा धाम विकास समिति के सौजन्य से अयोध्या गंगा घाट पर भव्य गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। बनारस से पधारे विद्वान पंडित ब्रजेश मिश्र, गौरव पाण्डेय, विवेक झा, अरूण पाठक ने गंगा महाआरती किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद शंभू शरण पटेल ने गंगा महाआरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि का स्वागत अध्यक्ष सुनील कुमार पूर्व डीएसपी ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ललन कुंवर, तेघड़ा बीडीओ राकेश कुमार, थानाध्यक्ष अमलेश कुमार भाजपा नेत्री सुनैना देवी, भाजपा नेता कृष्णनंदन सिंह, विवेक गौतम, जदयू युवा नेता मोनू पटेल आदि उपस्थित थे।

'समाधान शिविर में शिकायतों का मौके पर किया जा रहा समाधान'

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार के निदेर्शानुसार जिला में लघु सचिवालय सहित सभी उपमंडल कार्यालयों में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः: 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। ऐसे ही शिविर संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में नीलोखेड़ी, इन्द्री, असंध और घरौंडा में भी आयोजित किए गए।

जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निदान कर दिया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए गए।

उपायुक्त ने बताया कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वीरवार को करनाल के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में 13 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, वहीं 9 शिकायतें अभी लंबित हैं।

इसी प्रकार से नीलोखेड़ी व घरौंडा उपमंडल में 2-2 तथा इंद्री उपमंडल में 3 शिकायतें प्राप्त हुई जिनका मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं उपमंडल असंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

मुख्यमंत्री ने नव-चयनित 26 यूपीएससी अधिकारियों को देशभर में पंजाब की समृद्ध संस्कृति और विरासत के दूत बनने के लिए प्रेरित किया

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा/चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने संघ लोक सेवा आयोग (यू पी एस सी) द्वारा चयनित राज्य के 26 उम्मीदवारों को देशभर में पंजाब की समृद्ध संस्कृति और विरासत के "ब्रांड एंबेसडर" के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। यहां अपने सरकारी निवास पर नव-चयनित 26 अधिकारियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि इसका श्रेय उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और लगन को जाता है। उन्होंने कहा कि अब जब ये उम्मीदवार चयनित हो चुके हैं, तो इन्हें योग्यता के आधार पर कैडर आवंटित किया जाएगा और मेरिट के अनुसार नियुक्तियां की जाएंगी। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि चाहे इनकी तैनाती देश के किसी भी हिस्से में हो, वे अपने काम से पंजाब की खुशबू जरूर फैलाएं। उन्होंने कहा कि पंजाबी अपने परिश्रम, अनुकूलनशीलता और नवीन दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे अपने कर्तव्यों को पूरी लगन, ईमानदारी और पेशेवर प्रतिबद्धता के साथ निभाएं और अपने राज्य की छाप अवश्य छोड़ें। भगवंत मान ने कहा कि इन युवाओं की नियुक्ति से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में नया जोश आएगा, जिससे देश के विकास को गति मिलेगी।

'एसआईईटी नीलोखेड़ी को हरियाणा प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में किया जाएगा अपग्रेड'

तकनीकी शिक्षा महानिदेशक ने किया परिसर का निरीक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 2025 के राज्य बजट में की गई घोषणाओं के अनुरूप, तकनीकी शिक्षा महानिदेशक प्रभजोत सिंह ने आज राज्य इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एसआईईटी), नीलोखेड़ी का विशेष निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हरियाणा प्रौद्योगिकी संस्थान में इसके प्रस्तावित उन्नयन का आंकलन किया।

एसआईईटी नीलोखेड़ी वर्तमान में सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और सीएसई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग) में छह बी.टेक कार्यक्रम, साथ ही रोबोटिक्स और एआई, उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी और सिविल इंजीनियरिंग में एम.टेक कार्यक्रम लागू हैं। इस मौके पर महानिदेशक तकनीकी शिक्षा ने कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं और पुस्तकालय सुविधाओं सहित सभी मौजूदा शैक्षणिक बुनियादी ढांचे की समीक्षा की। उन्होंने प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं में मशीनरी और उपकरणों की परिचालन स्थिति का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पाठ्यक्रम आवश्यकताओं और तकनीकी मानकों के अनुरूप नवीनतम उद्योग-संरेखित मशीनरी और उपकरण खरीदें।

श्री प्रभजोत सिंह ने संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र में, उच्च शिक्षा, प्लेसमेंट और शोध के अवसरों सहित प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों के लिए आईआईटी, एनआईटी और आईआईआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों में एक्सपोजर विजिट के महत्व पर जोर दिया और इस संबंध में संस्थान के मौजूदा प्रयासों की सराहना की। महानिदेशक ने एसआईईटी के लिए उन्नत वर्कस्टेशन, कंप्यूटर और लैब उपकरणों की खरीद के संबंध में मुख्यालय द्वारा की गई पहलों पर भी हितधारकों को जानकारी दी, जो वर्तमान में डीजीएसएंडडी और हारट्रॉन के माध्यम से संसाधित की जा रही हैं।

विश्व स्तरीय शैक्षिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए श्री प्रभजोत सिंह ने बताया कि 1 मई, 2025 को सीडीएलएसआईईटी, पन्नीवाला मोटा (सिरसा) का इसी तरह का दौरा किया गया था, जो इस पहल के तहत अपग्रेड किया जा रहा दूसरा संस्थान है।

उन्नयन रोडमैप के भाग के रूप में, एसआईईटी नीलोखेड़ी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए एक अतिरिक्त शिक्षण ब्लॉक, एक अलग प्रशासनिक ब्लॉक और एक बहुउद्देशीय खेल हॉल का निर्माण करने का निर्णय लिया गया है, ताकि हरियाणा प्रौद्योगिकी संस्थान में इसके परिवर्तन का समर्थन किया जा सके।

निर्मल मन और पवित्र आचरण से सेवा करते हैं स्काउट गाइड: आबिद रजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। गांधी नेत्र चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर भारत स्काउट गाइड और इंडियन स्काउट गाइड फैलोशिप के तत्वावधान में गायत्री जयंती और गंगा दशहरा के पावन पर्व पर निशुल्क जल सेवा शिविर में राहगीरों और यात्रियों को शरबत वितरण के साथ 25वें दिन समापन हो गया। साथ ही गांधी नेत्र चिकित्सालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पूर्व मंत्री आबिद रजा व जिला मुख्य आयुक्त महेश सक्सेना ने माल्यार्पण किया।

मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री आबिद रजा ने फीता काट कर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड निर्मल मन और पवित्र आचरण से समाज की निस्वार्थ सेवा करते हैं। स्काउट की देश को सशक्त और समर्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। स्काउट संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला मुख्यायुक्त महेश चंद्र सक्सेना ने कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है। निस्वार्थ सेवा ऊंचे दर्जे के कार्य कराती है। स्काउट पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि आबिद रजा का फूल माला शाल ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया।

जिला सचिव आलोक कुमार पाठक, पुलिस परामर्श केंद्र काउंसलर एसडी शर्मा, प्रादेशिक सदस्य अवधेश कुमार चौहान, नेहरू मेमोरियल शिवनारायण दास कालेज के डा. मनवीर सिंह, कोषाध्यक्ष महीपाल सिंह, मधुरिमा रस्तोगी, नंदराम शाक्य ने स्काउट गाइड के सेवा कार्यों की प्रशंसा की।

इस मौके पर डीटीसी पूर्वी सक्सेना और जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा के नेतृत्व में स्काउट जीशान, निखिल चौहान, हिमांशु कश्यप, जीवन गोला, अर्पित कश्यप, उर्मी, वैष्णवी, पूजा, यष्टि, सिद्धि, आकांक्षी, बंटी सक्सेना, सचिन पाल, आस्था सागर, रुचित, मोहिनी मौर्य, मुस्कान, दीपाक्षी, नेहा श्रीवास्तव, पायल आदि मौजूद रहे। जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार ने कार्यक्रम का संचालन किया।

नोडल अधिकारी व डीएम ने लगाया एक पेड़ माँ के नाम

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूँ। विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण, संतुलन एवं संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद बदायूं में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन डायट परिसर में किया गया। कार्यक्रम में नगर विकास विभाग में विशेष सचिव व जनपद के नोडल अधिकारी अरुण प्रकाश तथा जिलाधिकारी अवनीश राय ने पौधारोपण कर अभियान की औपचारिक शुरूआत की।

जनपद के नोडल अधिकारी अरुण प्रकाश ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए वरदान स्वरूप हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। ऐसे आयोजन समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सभी अपने आस-पास अधिकाधिक पौधे लगाएं और उनका संरक्षण करें।

जिलाधिकारी अवनीश राय ने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण सुधार की दिशा में अहम कदम है, बल्कि मातृत्व के सम्मान को भी समर्पित है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अपनी माता के नाम पर अवश्य लगाना चाहिए, जिससे पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ एक भावनात्मक संबंध भी जुड़ सके।

कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद बदायूँ व वन विभाग द्वारा कराया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार, नगर मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार पाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

'संकल्प से सिद्ध तक' अभियान की कार्यशाला का आयोजन

संजना भारती संवाददाता

टोंक। कार्यशाला में पूर्व सांसद व कार्यक्रम संयोजक सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा की ओर से आयोजित होने वाले संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 11 गौरवपूर्ण वर्ष पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियो को जनता तक पहुचाने के लिए 9 जून से 21 जून तक अभियान चलाया जाएगा ।यह अभियान विकसित भारत का अमृत काल एवं सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 11 साल पर आधारित होगा। देवली उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर ने कहा कि 2014 में मोदी सरकार एक संकल्प के साथ सत्ता में आई थी, जो 2025 तक आते-आते सिद्ध होती नजर आ रही है। इसीलिए 11वीं वर्षगांठ को संकल्प से सिद्धि तक मनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और भारत के चौथी बड़ी अर्थव्यस्था बनने में इस सिद्धि को देखा जा सकता है। निवाई विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि सरकार ने अपने सभी वादों को पूरा किया है।

देश का हर व्यक्ति ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के साथ सशक्त और समृद्धशाली भारत पर गर्व महसूस कर रहा है। भारत का हर क्षेत्र में समग्र विकास हुआ है ।आज भारत का डांक पूरी दुनिया में बज है और इसका श्रेय सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है ।भारतीय सेनाओं ने सिंदूर ऑपरेशन के माध्यम से आतंकवाद को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग सेना का मनोबल तोड़ने का काम कर रहे हैं।

भाजपा जिला कार्यालय सिविल लाइंस से पौधारोपण अभियान किया शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने वृहस्पतिवार को भाजपा जिला कार्यालय सिविल लाइंस परिसर मे कार्यकताओं संग मां के नाम एक आम का पौधा लगाकर पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ ही जिलाध्यक्ष शुक्ल ने कहा हम सभी का कर्तव्य पौधारोपण और देख-रेख का होना चाहिए जिससे हम सभी को स्वच्छ वातावरण आने वाली पीढ़ी को दे सकें। जिलाध्यक्ष ने गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सबके जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि हेतु शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, आईटी जिला संयोजक सतीश विश्वकर्मा, भाजपा नेता डॉ.देवी सिंह, प्रदीप पांडेय,अजय सिंह, सलिल तिवारी आदि रहें।

संपूर्ण जिलेवासियों को बकरीद की हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अजीत कुमार
किरण नेत्रालय सेवा समिति
फुलवड़िया, बरौनी

हरियाणा 'सुपर 100' के होनहार एवं मेधावी बच्चों ने आईआईटी जेईई एडवांस्ड 2025 की परीक्षा में काबिले तारीफ उपलब्धि हासिल की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा सरकार की स्कूली विद्यार्थियों के लिए योजना 'सुपर 100' के विद्यार्थियों का आईआईटी, जेईई एडवांस्ड 2025 का परीक्षा परिणाम घोषित हो चुका है। बलबीर कश्यप खंड शिक्षा अधिकारी एवम् खंड संसाधन संयोजक गुहला ने विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि निदेशालय शिक्षा विभाग हरियाणा पंचकूला और विकल्प फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे हरियाणा "सुपर 100" के अंतर्गत आईआईटी जेईई एडवांस्ड 2025 में शामिल विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। हरियाणा "सुपर 100" के होनहार एवं मेधावी बच्चों ने आईआईटी जेईई एडवांस्ड 2025 की परीक्षा में काबिले तारीफ उपलब्धि हासिल की है। हरियाणा "सुपर 100" से कुल अपीयर होने वाले बच्चों को संख्या 197, क्वालीफाई करने वाले बच्चों की संख्या 72, क्वालिफाइड बच्चों की पास प्रतिशत 37, जनरल कैटेगरी के क्वालिफाइड बच्चों की संख्या 37, ओबीसी कैटेगरी की क्वालीफाई करने वाले बच्चों की संख्या 20, एससी कैटिगरी के अंतर्गत क्वालिफाइड बच्चों की संख्या 30 और लड़कियों की संख्या 24 रही है।

हरियाणा "सुपर 100" के होनहार छात्र रविंद्र पुत्र रमेश, उचाना, जिला जींद ने 1267 रैंक के साथ, ओबीसी कैटेगरी

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी।

में 212 रैंक लेकर प्रथम स्थान हासिल किया करके हरियाणा में टॉप स्थान हासिल किया है।

हरियाणा के टॉप 5 जिले जिन्होंने अच्छा परफॉर्म किया है:

फरीदाबाद 8 बच्चे,
गुरुग्राम 7 बच्चे,
हिसार 7 बच्चे,
भिवानी 6 बच्चे,
जींद 6 बच्चों के साथ टॉप फाइव में अपना स्थान बनाया है।

हरियाणा के टॉप 10 बच्चे:

आशीष पुत्र मूल किशन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देवीदासपुरा, जिला कुरुक्षेत्र, कैटिगरी रैंक 1701, आशु पुत्र राजेश आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल घसों खुर्द, जिला जींद 2299 रैंक, अमन प्रताप पुत्र पुष्पेंद्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुरुग्राम, जिला गुरुग्राम 28398 रैंक, अदिति शर्मा पुत्री जोरा सिंह गवर्नमेंट गर्ल्स मॉडल संस्कृति स्कूल बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद 1958, आदित्य पुत्र नरेंद्र, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खरक कला, जिला भिवानी, 696 रैंक,

अजय पुत्र मोनू राम, राजकीय उच्च विद्यालय ढाणी गोपाल, फतेहाबाद, जिला 5200 रैंक, अमित कुमार पुत्र सुनील शर्मा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओल्ड फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद

'सुपर 100' एवं विकल्प फाउंडेशन डायरेक्टर नवीन मिश्रा।

7655, अमिता पुत्री बलविंदर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लंडी, कुरुक्षेत्र 4918 रैंक, आरजू पुत्री विनोद

खंड शिक्षा अधिकारी गुहला बलबीर सिंह कश्यप।

कुमार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सावला, जिला सिरसा 3078 रैंक, अवतार पुत्र दर्शन सिंह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करोड़ा 4552 रैंक, जिला कैथल।

कैथल जिले के दो बच्चों ने यह परीक्षा क्वालीफाई की है। इसमें अवतार पुत्र दर्शन सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करोड़ा, ब्लॉक पुंडरी 4552 रैंक , इसी प्रकार राहुल पुत्र ईश्वर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कमालपुर, खंड कलायत 8114 रैंक मिला है।

बलबीर कश्यप बलबीर कश्यप खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड संसाधन संयोजक गुहला ने सभी क्वालिफाइड बच्चों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को दिल की गहराइयों से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। हरियाणा "सुपर 100" के सभी क्वालिफाइड बच्चों ने अपने-अपने माता-पिता के साथ साथ शिक्षा विभाग हरियाणा, विकल्प फाउंडेशन, निदेशालय शिक्षा विभाग हरियाणा, अपने गांव, खंड और जिले का नाम रोशन करने के साथ-साथ इतिहास बनाकर स्वर्णिम अक्षरों में अपना नाम दर्ज कर लिया है। इस उपलब्धि के पीछे सभी बच्चों की कड़ी मेहनत, लग्नशीलता, माता-पिता अभिभावकों, विकल्प फाउंडेशन के सभी मेहनती अध्यापकों, बुनियाद कोऑर्डिनेटर विकल्प फाउंडेशन, बुनियाद केंद्र के प्रधानाचार्य, जिला विज्ञान विशेषज्ञ, खंड शिक्षा अधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारियों और विभाग के सभी उच्च अधिकारियों का पूर्ण सहयोग और सपोर्ट मिला। यह सब मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महीपाल सिंह ढांडा की शिक्षा नीति से ही सम्भव हो पाया है।

इसके लिए निदेशालय शिक्षा विभाग हरियाणा, सभी उच्च अधिकारियों, विकल्प फाउंडेशन के संस्थापक नवीन मिश्रा मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रदीप सेंसरवाल और "सुपर 100" की अनुभवी और मेहनती टीम, जिला शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, जिला विज्ञान विशेषज्ञ, जिला बुनियाद कोऑर्डिनेटर विकल्प फाउंडेशन, बुनियाद केंद्र कोऑर्डिनेटर बधाई के पात्र हैं।

पर्यावरण संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी: विधायक योगेन्द्र राणा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह असंध में 'संकल्प से सिद्धि तक' अभियान के अंतर्गत असंध मंडल के सभी बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र प्रमुखों, संयोजकों एवं सह-संयोजकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश को मिली ऐतिहासिक उपलब्धियों पर चर्चा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

इस बैठक में असंध मंडल अध्यक्ष हिमांशु छाबड़ा, नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता अरडाना, मंडल संयोजक विकास कथूरिया, सह संयोजक डॉ. मीनाक्षी शर्मा, सुरेंद्र राणा सहित अनेक मंडल स्तरीय पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसके साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के पावन अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। विधायक योगेन्द्र

राणा ने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह, असंध के प्रांगण में बूथ संख्या 188 पर त्रिवेणी, बरगद, पीपल और नीम का पौधारोपण कर भारतीय संस्कृति, पर्यावरणीय जागरूकता एवं हरित भारत के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया गया।

विधायक योगेंद्र राणा ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को जनआंदोलन का रूप देने हेतु असंध विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर वृक्षारोपण किया जाएगा। यह पहल न केवल हरियाली बढ़ाएगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम होगी।

इसके पश्चात विधायक योगेंद्र राणा ने रेस्ट हाउस में आए आमजन की समस्या सुनी और समाधान हेतु संबंधित अधिकारी को मौके पर ही बात करके समाधान हेतु निर्देश दिए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल वृक्ष लगाने की पहल नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य देने का एक पवित्र संकल्प है।

नपा राजौंद व सीएचसी राजौंद ने संयुक्त रूप से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

■ नपा सचिव नरेंद्र शर्मा व सीएचसी राजौंद डॉ रोहित नैन ने स्टाफ सहित किया पौधारोपण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर पालिका राजौंद व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद ने पांच जून, वीरवार को पौधारोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर नपा सचिव नरेंद्र शर्मा व डाक्टर रोहित नैन ने स्टाफ सहित पौधारोपण किया। नपा राजौंद से प्रदीप कुमार धॉंदी कोर्डिनेटर ने बताया कि सरकार व प्रशासन के दिशा निर्देश अनुसार हरियाणा प्रदेश में पेड़-पौधे लगा कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को साफ सफाई रखने व धरती को पेड़ पौधे लगा कर हरा भरा बनाने के लाभ से अवगत कराया जा रहा है।

बालाजी मार्किट यूनियन प्रधान भीम सिंह राणा ने कहा कि राजौंद क्षेत्र को हरा भरा बनाने के लिए नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को पेड़ पौधे लगाने की साथ-साथ पेड़ों की सुरक्षा करने बारे भी जागरूक किया जाएगा।

इस अवसर पर डाक्टर रोहित नैन ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सीएमओ कैथल डॉ रेणु चावला के निर्देशन व एसएमओ राजौंद डॉक्टर कीर्ति शर्मा के मार्गदर्शन में पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में पहुंचे नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन का आधार है। हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन के निर्देश अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजौंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पौधा रोपण किया गया है। नगरपालिका सचिव नरेंद्र शर्मा व सीएचसी राजौंद से डॉ रोहित नैन ने अपने सन्देश में कहा है कि पेड़ हमें प्राण वायु प्रदान करते हैं। पेड़ों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने पर्यावरण को साफ सुथरा रखने के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। अपने संयुक्त ब्यान में नागरिकों को बताया कि पौधे हमें आक्सीजन, छाया, फल, फूल, औषधि देते हैं। आक्सीजन हमारे जीवन के लिए बहुत ही जरूरी है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिएं ताकि हमारा व पशु पक्षियों सहित हर जीव का जीवन आनंदित व्यतीत हो, हम कभी बीमार न हों। यदि हमारे आस पास हरे भरे वृक्ष होंगे तो साइकॉलोजिकली हमें शांति, स्कून, आंनद की अनुभूति होगी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जितेन्द्र सिंह स्वास्थ्य निरीक्षक, एलटी, होशियार सिंह, रामकुमार चालक, अमीन खान स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सतबीर सिंह माली तथा नगरपालिका की तरफ से प्रदीप कुमार धॉंदी कोर्डिनेटर, जे ई अश्वनी कुमार, कुलविंद्र कौर, रामनिवास शर्मा दुकानदार सहित अन्य मौजूद रहे।

आमजन प्लास्टिक मुक्त सोच अपनाएं और हरियाली का संदेश फैलाएं: विधायक सतपाल जांबा

■ जैव विविधता बोर्ड की तरफ से गांव जांबा में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

संजना भारती संवाददाता

कैथल। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य पर वीरवार को गांव जांबा में जैव विविधता बोर्ड की तरफ से कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी शुरूआत गांव में विधायक सतपाल जांबा द्वारा पौधारोपण करके की। इसके बाद गांव के सरपंच लाभ सिंह ने स्कूल में, गांव के रास्ते पर भी पौधे लगाए।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि हमें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करके तथा अपनी उपभोग की आदतों में परिवर्तन करके एक स्वस्थ एवं प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। हर बार जब हम प्लास्टिक से परहेज करते हैं तो धरती को सांस लेने का एक और मौका देते हैं। हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, ताकि पर्यावरण शुद्ध रहे और ऑक्सीजन की

मात्रा में ज्यादा से ज्यादा बढ़ोतरी हो। सभी आमजन प्लास्टिक मुक्त सोच अपनाएं और हरियाली का संदेश फैलाएं।

पर्यावरण दिवस थीम प्लास्टिक मुक्त विश्व को लेकर जिला समन्वयक रेखा लौहान ने लोगों को कम से कम प्लास्टिक बैग का प्रयोग करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रयोग करने के बाद हमें प्लास्टिक के गिलास, बोतल व थैली हमें एकत्रित करके कचरे में डालने चाहिए। इसकी शुरूआत हमें अपने घर, दुकान व गांवों से करनी होगी। उन्होंने विधायक सतपाल जांबा द्वारा चलाई गई स्वच्छता मुहिम की सराहना की। ग्राम पंचायत द्वारा गांव के खुले नालों की सफाई दो दिन पहले ही कारवाई गई है ताकि बरसात में किसी प्रकार की समस्या न आए। इसमें वन विभाग से पवन कुमार, बृजलाल, ग्राम सचिव प्रवीण कुमार, कर्म सिंह के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए।

साहित्यकार भारत भूषण वर्मा 'पर्यावरण प्रेमी सम्मान 2025' से हुए सम्मानित

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। नगर के प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं संस्कृत प्राध्यापक भारत भूषण वर्मा 'पर्यावरण प्रेमी सम्मान 2025' से सम्मानित हुए हैं। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि उन्हें यह सम्मान पर्यावरण विषय पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषिक आभासी कवि सम्मेलन में शानदार प्रतिभागिता और प्रस्तुति के लिए दिया गया। इस कार्यक्रम में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित अपनी छंदोंबद्ध रचनाओं से समां बांधा। यह कार्यक्रम पलिंगे भाषा संस्थान, पुणे महाराष्ट्र, मां सरस्वती साहित्य मंच भारत और संस्था एक प्रयास भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसने देशभर के अनेक साहित्य-सृजकों ने अपनी रचनाएं पेश

की। उल्लेखनीय है कि भारत भूषण वर्मा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में समय-समय पर वृक्षारोपण सहित अनेक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं तथा अनेक बार सम्मानित हो चुके हैं।

सीएचसी राजौंद के अंतर्गत पीएचसी करोड़ा में डॉ रोहित नैन ने संभाला पदभार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नवनियुक्त चिकित्सक डॉ रोहित नैन ने सीएचसी राजौद अंतर्गत पीएचसी करोड़ा में पदवार संभाल लिया है। डॉक्टर नैन चंडीगढ़ से ताल्लुक रखते हैं, उनकी यह पहली पोस्टिंग है। रोहित नैन ने कहा कि सीएमओ कैथल डॉ रेनू चावला के निर्देशन व एसएमओ राजौंद डॉ कीर्ति कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में वे अपना कार्य लग्न, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा व जन सेवा की भावना से करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी हस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने वाले किसी भी पेशेंट को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार सीएचसी राजौद में कार्यरत डॉक्टर समृद्धि का स्थानांतरण सीएचसी झांसा हो गया है। डॉ रोहित नैन को सीएचसी करोड़ा की

सीएचसी राजौंद में नव नियुक्त डॉ रोहित नैन।

जिम्मेदारी सौंप गई है और आवश्यकता अनुसार उन की सेवाएं राजौंद में भी ली जाती रहेगी। जानकारी के अनुसार सीएससी राजौंद में चिकित्सक की कुल 7 पोस्ट है। जिन पर केवल एक डॉक्टर, डॉक्टर संदीप सिंह कार्यरत है।

सीएचसी राजौंद में चिकित्सक की 6 पोस्ट खाली है। यह जानकारी भी प्राप्त हुई है कि पीएचसी जाखौली, पीएचसी किठाना में कोई चिकित्सक नहीं है। इन स्टेशनों का कार्य भी डॉक्टर संदीप सिंह ही देख रहे हैं। नागरिकों ने समय-समय पर सरकार व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से सीएचसी राजौंद व उसके अंतर्गत आने वाले पीएचसी स्टेशनों पर चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग की जाती रही है। बारहाल सीएससी राजौंद के अंतर्गत पीएचसी करोड़ों में डॉक्टर रोहित नैन ने कार्यभार संभाल लिया है। इससे सरकारी अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजो को कुछ राहत जरूर मिलेगी।

पेड़ पौधे हमारे जीवन का अभिन्न अंग : डीएसपी महाबीर सिंह

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। गोल्डन ग्रुप ऑफ फाउंडेशन की ओर से डीएसपी कार्यालय के प्रांगण व नागरिक अस्पताल के प्रांगण में पौधारोपण किया। डीएसपी महाबीर सिंह ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, इनसे हमें जहां आक्सीजन मिलती है वहीं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी पेड़-पौधों का अहम योगदान होता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में बढ़ता प्रदूषण मानव जाति के लिए हानिकारक बना हुआ है और इस प्रदूषण का अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाकर ही शुद्ध रखा जा सकता है इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में एक पौधा लगाकर उसकी पेड़ बनने तक देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। गोल्डन ग्रुप ऑफ फाउंडेशन के प्रधान दिलबाग मूंड ने कहा कि पौधे हमें शुद्ध हवा पानी देते है तथा पर्यावरण, जल संरक्षण के लिये भी महत्वपूर्ण है इसलिये हम सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिये व पौधो का संरक्षण भी करना चाहिये। इस अवसर पर डॉ. सुधांशु, अंकुश बिसला, कुलवीर मूंड, अनिल कुमार, राजेंद्र कुमार, जोनी सैन, प्रवीण कुमार, बिट्टू सहित अन्य मौजूद रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक्सरे कैंप का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग/असन्ध। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत खेड़ी शर्फअली गुरुद्वारा में एक्सरे कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें उप सिविल सर्जन डॉ. सिम्मी कपूर, डॉ. प्रदीप व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी असंध डॉ. जयपाल चहल ने शिरकत की। डॉ सिम्मी कपूर ने लोगों को टीबी के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान टीबी के 5 मरीजों को पोषण कीट वितरित की गई। कैंप में 115 लोगों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 56 एक्सरे, 62 एचआईवी व 62 लोगों के शुगर के टेस्ट किए गए। इस कार्यक्रम में सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर सतीश कुमार, आईसीटीसी काउंसलर रंगीराम वर्मा, एलटी प्रीति, सीएचओ रुबी, एमपीएचडब्ल्यू ममता, प्रेम, मंजीत, मनप्रीत, रितु परमजीत आशा वर्कर ने भाग लिया।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

पौधों का मानव जीवन में बहुत महत्व: डॉ रेखा शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। पौधों का मानव जीवन में बहुत महत्व है। पौधों के बिना हमारा जीवन अधूरा है। पर्यावरण को स्वच्छ रखने में पेड़ पौधे अपना अहम योगदान निभाते है। स्वच्छ वातावरण में ही व्यक्ति स्वच्छ रह सकता है। इसलिए बीमारियों से बचाव के लिए भी अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। उपरोक्त विचार जीवन चानन महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रेखा शर्मा व कॉलेज के निदेशक रमेश बत्रा ने महाविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण करने के बाद कहे। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में पांच पौधे भारत माता को समर्पित किए। उन्होंने कहा कि पौधा लगाने के बाद उसकी समय-समय पर देखभाल करनी भी जरूरी है, ताकि यह पौधा बड़ा होकर वृक्ष बन सके। रमेश बत्रा ने कहा कि पेड़ पौधे हमें फल, फूल, छाया व औषधि देते है, इसलिए इनकी रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है। इस अवसर पर डॉ. हेमलता शर्मा, डॉ. सिमरत पाल, डॉ. रेखा बंसल, आशा बत्रा, केडी शर्मा, डॉ. नीतू सेठी सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

आयुष विभाग करनाल द्वारा प्रतिभागियों को करवाया गया योग प्रोटोकॉल का अभ्यास

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल ने बताया कि जिला में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाने के लिए विभागीय निर्देशानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेक्टर-7 में आयोजित कार्यक्रम में 123 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जहां योग विशेषज्ञ डॉ अमित ने योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का अभ्यास प्रतिभागियों को करवाया और बी के प्रेम दीदी द्वारा सभी साधकों को राज योग का महत्व समझाया गया।

डॉ अमित ने बताया कि किस प्रकार हम अष्टांग योग के पालन द्वारा हम अपनी पांचों कर्मेंद्रियां-हाथ, पैर, मुंह, जननइंद्री और गुदा एवं पांचो ज्ञानेंद्रिय-आंख, कान, नाक, जीभ और त्वचा को राजयोग ध्यान साधना द्वारा नियंत्रण में करके अपने भटकते हुए चित को उस परमपिता परमात्मा ज्योति बिंदु को जानकर स्वयं के असली स्वरूप के दर्शन कर सकते हैं अर्थात परमात्मा को प्राप्त कर अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं और इस संसार में रहते हुए सब कर्म करते हुए भी उस परम शक्ति से जुडकर परमानंद (मोक्ष) की प्राप्ति कर इस जीवन के जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो सकते हैं।

इसी प्रकार से जिला कारागार करनाल में आयोजित कार्यक्रम में 717 कैदियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम जेल अधीक्षक जिला कारागार करनाल लखबीर सिंह बराड़ की अध्यक्षता तथा डीएसपी चरण सिंह, डीएसपी शैलाक्षी भारद्वाज व डीएसपी विवेक सांगवान की देखरेख में आयोजित किया गया जिसमें योग सहायक गीता दहिया व कुसुम रानी द्वारा महिला कैदियों को तथा मुकेश व सोनू पाल द्वारा पुरुष कैदियों को अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का नियमित अभ्यास करवाया जा रहा है। बता दें कि जिला कारागार करनाल में 31 मई से 21 जून तक आयुष विभाग करनाल द्वारा विशेष योग शिविर लगाया जा रहा है।

आयुष विभाग करनाल के ब्लॉक इंचार्ज डॉ नितिन रोहिला ने बताया कि 6 जून को पंचमुखी हनुमान मन्दिर बैंक कॉलोनी करनाल, भारतीय योग संस्थान में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होगा।